A020301KISAN POST GRADUATE COLLEGE, BAHRAICH (UP) 271801

(An Autonomous College)

Proposed Structure of syllabus for the

PROGRAM: BACHELOR IN FACULTY

SUBJECT:SANSKRIT

Syllabus developed/proposed by

S.No.	Name	Designation	Department	College/University
1	Dr. Sandeep Kumar Mishra	Convener	SANSKRIT	Kisan P.G. College, Bahraich
2	Dr. Kuldeepak Shukla	University Nominee	SANSKRIT	D.D.U . Gorakhpur University, Gorakhpur
3	Prof. Vijay Srivastava	Subject Expert	SANSKRIT	Raja Balwant Singh College, Agra
4	Dr. Abhimanyu Singh	Subject Expert	SANSKRIT	University of Lucknow, Lucknow
5	Dr. Rashmi Mishra	Member	SANSKRIT	Kisan P.G. College, Bahraich
6	Dr. Satya Bhama Srivastava (Retd.)	Invited Member	SANSKRIT	Kisan P.G. College, Bahraich

Semester wise Title of the Papers in UG					
Year	**Semester**	**Course Code**	**Paper Title**	**Theory+internal evaluation**	**Credits**
CERTIFICATE IN FACULTY					
FIRST	**SEM-I**	A020101T	संस्कृत पद्य साहित्य एवंव्याकरण	75 +25	6
	SEM-II	A020201T	संस्कृतगद्य साहित्य,अनुवाद एवं संगणक अनुप्रयोग	75 +25	6
		a			
DIPLOMA IN FACULTY					
SECOND	**SEM-III**	A020301T	संस्कृत नाटक एवं व्याकरण	75 +25	6
	SEM-IV	A020401T	काव्यशास्त्र एवंसंस्कृतलेखनकौशल	75 +25	6
BACHELOR IN FACULTY					
THIRD	**SEM-V**				
		A020501T	वैदिक वाङ्मय एवंभारतीय दर्शन	75 +25	**5**
		A020502T	व्याकरण एवं भाषा विज्ञान	75 +25	5
	SEM-VI	A020601T	आधुनिक संस्कृत साहित्य	75 +25	5
			Opt Any one of the following (Elective/ Optional):		
		A020602T	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	75 +25	5
		A020603T	आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य विज्ञान	75 +25	5
		A020604T	भारतीय वास्तुशास्त्र	75 +25	5
		A020605T	ज्योतिष शास्त्र के मूलभूत सिद्धान्त	75 +25	5
		A020606T	नित्य नैमित्तिक अनुष्ठान	75 +25	5

Program Outcomes (POs)

PO1:संस्कृतभाषा की वैज्ञानिकता, उसकेमहत्त्व एवंआधुनिकपरिप्रेक्ष्य मेंउसकीप्रासंगिकताको समझेंगें।

PO2:संस्कृत वाङमय मेंनिहितअत्यन्त समृद्ध भारतीय ज्ञानपरम्परासेपरिचितहोंगें।

PO3:नैतिक एवंचारित्रिक रूपसेसंस्कृतहोकरउत्तमसमाज एवंउत्तमराष्ट्र कानिर्माणकरपानेमें सक्षमबनेंगें।

PO4:सुनने, बोलने, पढ़ने एवं लिखने में भाषागत दक्षता प्राप्त होगी।

PO5:न्यायोचित जीविकोपार्जन के योग्य बन सकेंगें।

Program Specific Outcomes (PSOs)

First Year	Certificate in Faculty	1- विद्यार्थीसंस्कृतसाहित्य कासामान्य परिचय एवंउसमेंनिहितज्ञान–विज्ञानसेपरिचितहोने केसाथ–साथसंस्कृतभाषामेंसंगणककाप्रयोगसीख सकेंगें। 2- संस्कृतव्याकरण के आधारभूतज्ञानसेपरिचितहोकरसहजतयाव्याकरणमेंप्रवेशकरसकेंगें। 3. शुद्ध वर्णोच्चारणकाकौशलविकसितकरसकेंगें। 4. संस्कृत वाङ्मय कीपद्यसाहित्य परम्परासेपरिचितहोसकेंगें। 5. सन्धि एवंविभक्तियोंकाज्ञानप्राप्तकरउसेअपनेप्रौढसम्भाषणहेतुप्रयोगकरसकेगें। 6.हिन्दीवाक्योंकोसंस्कृतमेंतथासंस्कृतवाक्योंकोहिन्दीमेंअनुवादकरनेकाकौशलविकसितकरसकेंगें।
Second Year	Diploma in Faculty	1. संस्कृत वाङ्मय की नाट्य साहित्य परम्परासेपरिचितहोसकेंगें। 2. संवाद एवंअभिनय कौशलमेंपारंगतहोसकेंगें। 3. नाट्य साहित्य की परम्परासेपरिचितहोसकेंगेंतथासंस्कृत पद्य साहित्य मेंप्रयोगकियेगयेविभिन्नछन्दोंकापरिज्ञानकरउनकाप्रयोगकरनेमेंसमर्थ बन सकेंगें। 4.संस्कृतभाषा मेंप्रयोगहोनेवाले शब्दरूपों एवं धातुरूपों की सिद्धि करनेमें दक्ष होसकेंगें। 5.काव्यशास्त्रीय विकास की परम्परासेपरिचितहोंगेतथाकाव्यशास्त्रीय तत्त्वोंको समझने में सक्षमहोंगें। 6. संस्कृत पत्र लेखनकौशलमेंवृद्धि,शब्दज्ञानकोषमेंवृद्धि,एवंअलंकारोंकाज्ञानप्राप्तकरकाव्य सौन्दर्यकाबोध करसकेंगें।
Third Year	Bachelor in Faculty	1. वैदिकसाहित्य एवंसंस्कृतिसेपरिचितहोसकेंगें।जिससेउसके द्वारादियेगयेवैदिकसन्देशों एवंमूल्योंकाबोध होसकेगा। 2. वैदिकमूल्योंकोआत्मसात् करकेआचरणकाउदात्तीकरणकरसकेंगें। 3. पदों की सिद्धि प्रक्रियासेपरिचितहोकर शब्दनिर्माण की वैज्ञानिकतासेपरिचितहोंगें। 4. संस्कृतअलंकारोंकाज्ञानप्राप्तकरकाव्यशास्त्रीय सौन्दर्यकाबोध करसकेंगें। 5. भारतीय दार्शनिकतत्त्वोंकासामान्य ज्ञानप्राप्तकरसकेंगें। 6. दर्शनमेंनिहितनैतिक एवंमानवीय मूल्यों के तर्कसम्मतज्ञानसेस्वयंकोसंस्कृतकरसकेंगें।

		7. भाषाएवंभाषाविज्ञानकी उपयोगिता एवंमहत्त्वतथाभाषा के विकासके विभिन्नस्तरोंको समझसकेंगें। 8. ध्वनि के वर्तमानस्वरूप की विकासयात्रा काजानसकेंगें एवंवर्तमानस्वरूप के कारणभूतविभिन्न ध्वनिपरिवर्तनोंकाज्ञानप्राप्तकरसकेंगें। 9. आधुनिकसंस्कृतसाहित्य की परम्परासेपरिचितहोसकेंगें। 10. आधुनिकसाहित्यकारों द्वारादियेगयेनवीनकाव्यशास्त्रीय तत्त्वों, बिम्बविधानों, अलंकारों एवंविधाओंआदिकाज्ञानप्राप्तकरसकेंगें। 11. भारतीय योगशास्त्र की वैज्ञानिकतासेपरिचितहोकरउसेअपनीदिनचर्यामेंसम्मिलितकरअपने जीवन कोनीरोगीबनासकेंगें। 12. योग के सैद्धान्तिक एवंव्यावहारिकउभय पक्षोंकोसम्यक् रूपेणजानसकेंगें। 13. आयुर्वेद के उद्भव एवंविकासतथाउसकेमूलभूतसिद्धान्तोंकापरिचय प्राप्तकरसकेंगें। 14. वर्तमान समय मेंआयुर्वेद की आवश्यकता एवंउसकेमहत्त्वको समझकरअपने जीवन में एवंमानवकल्याण के लिए उसकाअनुप्रयोगकरनेहेतुप्रेरितहोसकेंगें। 15. भारतीय वास्तुशास्त्र कासामान्य परिचय प्राप्तकरतेहुएउसकेमूलसिद्धान्तों एवंउसकीवर्तमानउपयोगितासेपरिचितहोसकेंगें। 16. भारतीय ज्योतिषशास्त्र कासामान्य परिचय प्राप्तकरउसकेमूलभूतसिद्धान्तोंकापरिज्ञानकरसकेंगें एवंपंचांगअवलोकनतथाउसकेनिर्माणकाकौशलविकसितकरसकेंगें। 17. भारतीय कर्मकाण्ड के प्रामाणिकस्वरूपकोजानकरउसकीव्यावहारिकउपयोगिताजानने योग्य बन सकेंगें। 18. विभिन्नअनुष्ठानोंकोसम्पन्नकराने योग्य कुशलपुरोहित बन सकेंगें। 19. योग,आयुर्वेद,वास्तुशास्त्र,पौरोहित्य,ज्योतिषादिप्रशिक्षणसेन्यायोचितजीविकोपार्जनकरपानेमें सक्षम बन सकेंगें।

B.A. (SEMESTER-I) PAPER-I
Title: संस्कृत पद्य साहित्य एवंव्याकरण

Programme :BACHELOR IN FACULTY **Class:B.A.**	**Year: First**	**Semester: I**
Subject: Sanskrit		
Course Code: A020101T	**Course Title: Certificate in Faculty**	

Course outcomes:

CO1:संस्कृतभाषा की वैज्ञानिकता, उसकेमहत्त्व एवंआधुनिकपरिप्रेक्ष्य मेंउसकीप्रासंगिकताको समझेंगें।

CO2:भारतीय ज्ञानपरम्परामेंनिहितदर्शन, भूगोल, गणित, ज्योतिष,वास्तु,योग,आयुर्वेदआदिसेपरिचितहोसकेंगें।

CO3:संस्कृत पद्य साहित्य परम्परासेपरिचितहोसकेंगें।

CO4: शुद्ध वर्णोच्चारणकाकौशलविकसितकरसकेंगें।

CO5: संस्कृतव्याकरण के आधारभूतज्ञानसेपरिचितहोकरसहजतयाव्याकरणमेंप्रवेशकरसकेंगें।

Credits: 6	**Core**
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks: 33**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 6-0-0

Unit	Topics	No. of Lectures
	Part I	
I	**(क)संस्कृत वाङ्मय मेंपारम्परिकज्ञान–विज्ञान** संस्कृतवाङ्मय मेंभारतीयदर्शन, भूगोल,खगोल, गणित, ज्योतिष, वास्तुशास्त्र, आयुर्वेद, अर्थशास्त्र,योग, विज्ञान एवंसंगीतकासामान्य परिचय **(ख)संस्कृतकाव्य कासामान्य परिचय एवंपद्यकाव्य की परम्परा** **प्रमुख आचार्य–**महाकविवाल्मीकि,वेदव्यास,कालिदास,भारवि,माघ,श्रीहर्ष,जयदेव	8 4
II	**किरातार्जुनीयम्–**प्रथमसर्गसम्पूर्ण (व्याख्या एवंसमीक्षात्मक प्रश्न)	15
III	**रघुवंशम्–**प्रथम सर्ग(श्लोक संख्या 1 से 25) (व्याख्या एवंसमीक्षात्मक प्रश्न)	9
IV	**नीतिशतक–** (श्लोक संख्या 1 से 25) (अर्थ एवंमूल्यपरक प्रश्न)	9

PartII		
V	**संस्कृतव्याकरणप्रवेश** **क**–संस्कृत शब्दकाअर्थ एवंव्युत्पत्ति, वैदिक एवंलौकिकसंस्कृतमेंअन्तर संस्कृतभाषा की विशेषताएँ, आवश्यकता एवंवर्तमान समय मेंउसकीप्रासंगिकता, संस्कृतभाषा के प्रसारमेंआनेवालीचुनौतियाँ एवंउसकासमाधान, वर्णतथा अक्षर की व्युत्पत्ति एवंअर्थ, शब्द की व्युत्पत्ति,स्वर एवंव्यंजन कीव्युत्पत्ति,परिभाषातथाभेद,अयोगवाह, यम,अनुस्वार, विसर्ग,उच्चरणकर्त्ता के गुण,अधमपाठक के लक्षण,स्वर–व्यंजनउच्चारणदोष, उच्चारणस्थान,उच्चारणप्रयत्न। **ख**–त्रिमुनिपरम्पराकापरिचय,प्रत्याहार,अनुबन्ध,गुण,संज्ञा,अनुवृत्ति–अधिकार, प्रक्रियाग्रन्थें की परम्परा, प्रत्याहारसूत्र,प्रत्याहारनिर्माणप्रक्रिया,सूत्र की परिभाषा एवंभेद, वार्तिक,भाष्य,टीका,विभक्तिआदि शब्दों की व्युत्पत्ति एवंपरिभाषा, सुप्–तिङ् परिचय, वाच्य परिवर्तन।	10
VI	**संज्ञाप्रकरण (लघु सिद्धान्तकौमुदी से)**	10
VII	**सन्धि प्रकरण**–अच् सन्धि, हल् सन्धि, विसर्गसन्धि(सूत्र व्याख्या एवंसूत्र निर्देशपूर्वकसन्धि एवं विग्रह)	25

Suggested Readings:

1. संस्कृतसाहित्य काइतिहास–बलदेवउपाध्याय,चौखम्भाप्रकाशन,वाराणसी
2. संस्कृतसाहित्य कासमीक्षात्मकइतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायणलालविजयकुमार,प्रयागराज
3. संस्कृतसाहित्य काइतिहास–वाचस्पतिगैरोला,चौखम्भाविद्याभवन,वाराणसी
4. संस्कृतव्याकरणअधिगम–डा. सन्दीपकुमारमिश्र–परिमलप्रकाशन,प्रयागराज
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी–सुरेन्द्रदेवस्नातक 'शास्त्री'–चौखम्भाप्रकाशन,वाराणसी
6. लघुसिद्धान्तकौमुदी–श्रीधरानन्द शास्त्री, चौखम्भाप्रकाशन,वाराणसी
7. किरातार्जुनीयम्(प्रथम सर्ग)–डा0 राजेन्द्रमिश्र,अक्षयवटप्रकाशन,इलाहाबाद
8. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)–डा0 जनार्दन शास्त्री,मोतीलालबनारसीदासपब्लिकेशन,दिल्ली
9. रघुवंशम् (प्रथम सर्ग)–डा0 बलवान सिंह यादव,चौखम्भासंस्कृतभवन,वाराणसी
10. रघुवंशम् (प्रथम सर्ग)–डा0 रमाकान्त त्रिपाठी, चौखम्भाप्रकाशन,वाराणसी

This course can be opted as an elective by the students of the following subjects:

1-माइनर विषय के रूपमेंकिसीभीसंकाय के प्रथमसेमेस्टर के विद्यार्थी।

Suggested Continuous Evaluation Methods (Max. Marks: 25)

S.No.	Assessment Type	Max. Marks
1-	पाठ्यक्रममेंनिर्धारितविषयोंपरआधारितअधिन्यासअथवाप्रत्याहारनिर्माणविषयकपरियोजनाकार्य(विभाग द्वारानिर्धारित)	15
2-	लिखितपरीक्षा (बहुविकल्पीय/लघु उत्तरीय)अथवामौखिकपरीक्षाअथवाप्रस्तुतीकरण (विभाग द्वारा निर्धारित)	10

Course prerequisites: इण्टरपाससभीवर्ग के (कलावर्ग,विज्ञानवर्ग,कामर्सवर्ग)विद्यार्थी

B.A. (SEMESTER-II)
Title: संस्कृत गद्य साहित्य, अनुवाद एवं संगणक अनुप्रयोग

Programme: BACHELOR IN FACULTY **Class: B.A.**	**Year: First**	**Semester: II**
Subject: Sanskrit		
Course Code: A020201T	**Course Title: Certificate in Faculty**	
Credits: 6	**Core**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks: 33**	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 6-0-0		

Unit	**Topics**	**No. of Lectures**
	Part I	
I	**गद्य साहित्य काउद्भव एवं विकास प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी रचनाएँ–** दण्डी, सुबन्धु, बाणभट्ट, शूद्रक, अम्बिकादासव्यास, पंडिता क्षमाराव।	11
II	शुकनासोपदेश	13
III	शिवराजविजयम्–प्रथम निःश्वास	13
IV	उपर्युक्त दोनों ग्रन्थों से समीक्षात्मक प्रश्न	8
	Part II	
V	कारक–विभक्ति प्रकरण–प्रथमा से सप्तमी तक (संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका से)	25
VI	**कम्प्यूटर–**कम्प्यूटर का सामान्य परिचय, संस्कृत की दृष्टि से कम्प्यूटर की उपयोगिता, विभिन्न सॉफ्टवेयर। हिन्दी लेखन हेतु उपयोगी टूल्स–यूनिकोड, गुगल इनपुट टूल्स, गूगल असिस्टेण्ट एव वॉयस टाइपिंग आदि।	10
VII	**इण्टरनेट**–इण्टरनेट का प्रयोग एवं वेब सर्च, ई–टेक्स्ट, ई–बुक्स, ई–रिसर्च, जनरल, ई–मैगजीन, डिजिटल लाइब्रेरी, **आनलाइन टीचिंग लर्निंग प्लेटफार्म–**जूम, मीट, वेबैक्स, **आनलाइन लर्निंग एवं रिसर्च प्लेटफार्म**–स्वयं, मू.ई–पाठशाला, डेलनेट, इनफ्लाब्रेट, शोधगंगा, गूगल स्कॉलर आदि।	10

Suggested Readings:

1. **संस्कृत साहित्य का इतिहास–बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी**
2. **संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायणलाल विजयकुमार, प्रयागराज**
3. **संस्कृत साहित्य का इतिहास–वाचस्पति गैरोला, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी**
4. **शुकनासोपदेश–डा0 रामेश्वर झा,प्रकाशन केन्द्र लखनऊ**
5. **शुकनासोपदेश–डा0 महेश कुमार श्रीवास्तव, वि0वि0 प्रकाशन, वाराणसी**
6. **शिवराजविजयम्–डा0 रमाशंकर मिश्र, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी।**
7. **शिवराजविजयम्–डा0 देव नारायण मिश्र, साहित्य भण्डार।**
8. **कम्प्यूटर फण्डामेण्टल–पी के सिन्हा, बी पी बी पब्लिकेशन, नयी दिल्ली**
9. **इनफार्मेशन टेक्नालाजी–सुमिता अरोरा, ध्नपतराय , पब्लिकेशन, नयी दिल्ली**

Suggested Continuous Evaluation Methods (Max. Marks: 25)

S.No.	**Assessment Type**	**Max. Marks**
1-	पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों पर आाधारित अधिन्यास अथवा परियोजना कार्य (विभाग द्वारा निर्धारित)	15
2-	लिखित परीक्षा (बहुविकल्पीय/लघु उत्तरीय)अथवा मौखिक परीक्षा अथवा प्रस्तुतीकरण (विभाग द्वारा निर्धारित)	10

B.A. (SEMESTER-III)
DIPLOMA IN FACULTY

PROGRAMME: BACHELOR IN FACULTY CLASS:B.A.	**YEAR: SECOND**	**SEMESTER: III**
SUBJECT: SANSKRIT		
Course Code: A020301T	**Course Title:** संस्कृत नाटक एवं व्याकरण	
Credits: 6	**Core**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks: 33**	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 6-0-0		

Unit	Topics	No. of Lectures
	Part I	
I	**नाट्य साहित्य परम्परा तथा प्रमुख नाटककार**–भास, अश्वघोष, भवभूति, भट्टनारायण, विशाखदत्त।	12
II	अभिज्ञान शाकुन्तलम्–चतुर्थअंक	11
III	उत्तररामचरितम्–तृतीय अंक	11
IV	स्वप्नवासवदत्तम्–प्रथम अंक	11
	Part II	
V	**समास प्रकरण** (लघु सिद्धान्त कौमुदी से)	15
VI	**रूप सिद्धि अजन्त प्रकरण पुल्लिंग**–राम, हरि, सर्व, सखि (लघु सिद्धान्त कौमुदी से)। (सूत्र व्याख्या एवं शब्द रूप सिद्धि)	15
VII	**रूपसिद्धि अजन्त प्रकरण स्त्रीलिंग**–रमा, सर्वा, मति। (लघु सिद्धान्त कौमुदी से)। **रूप सिद्धिनपुंसकलिंग**–ज्ञान, वारि (लघु सिद्धान्त कौमुदी से)। (सूत्र व्याख्या एवं शब्द रूप सिद्धि)	15

Suggested Readings:

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास–बल देव उपाध्याय, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी
2. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायण लाल विजय कुमार, प्रयागराज
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास–वाचस्पतिगैरोला, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी
4.अभिज्ञान शाकुन्तलम–कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायण लालविजय कुमार, इलाहाबाद।
5. अभिज्ञान शाकुन्तलम–डारमाशंकर त्रिपाठी, वि0वि0 प्रकाशनवाराणसी
7. उत्तररामचरितम्–कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायण लाल विजय कुमार, इलाहाबाद।
8. स्वप्नवासवदत्तम्–श्री तारणीशझा, रामनारायण लालबेनीमाधव प्रकाशक, इलाहाबाद।
9. स्वप्नवासवदत्तम्–जय कृष्णदास हरिदास गुप्त, चौखम्भा संस्कृत सीरीज, वाराणसी।
10.लघु सिद्धान्त कौमुदी–सुरेन्द्र देवस्नातक 'शास्त्री'–चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी।
11. लघु सिद्धान्त कौमुदी–श्री धरानन्द शास्त्री, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी।
12. संस्कृत के प्रमुख नाटक कारतथा उनकी कृतियाँ–डा0 गंगाासागरराय, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी।

Suggested Continuous Evaluation Methods (Max. Marks: 25)

S.No.	Assessment Type	Max. Marks
1-	पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों पर आधारित अधिन्यास अथवा परियोजना कार्य (विभाग द्वारा निर्धारित)	15
2-	लिखित परीक्षा (बहुविकल्पीय/लघु उत्तरीय) अथवा मौखिक परीक्षा अथवा प्रस्तुतीकरण (विभाग द्वारा निर्धारित)	10

B.A. (SEMESTER-IV)
Title:काव्यशास्त्र एवं संस्कृत लेखन कौशल

Programme :BACHELOR IN FACULTY Class:B.A.	Year: Second	Semester: IV
Subject: Sanskrit		
Course Code: A020401T	Course Title: Diploma in Faculty	
Credits: 6	Core	
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 6-0-0		

Unit	Topics	No. of Lectures
	Part I	
I	**संस्कृत काव्यशास्त्रीय परम्परा के प्रमुख आचार्य एवं उनके ग्रन्थ –** भामह, दण्डी, वामन, आनन्दवर्धन, मम्मट, कुन्तक, क्षेमेन्द्र, विश्वनाथ, पण्डित जगन्नाथ।	10
II	साहित्य दर्पण – प्रथम परिच्छेद साहित्य दर्पण ।– शब्दशक्ति (अभिधा,लक्षणा,) काव्यभेद (चतुर्थ परिच्छेद), श्रव्य काव्य (गद्य,पद्य,मिश्र)	12
III	साहित्य दर्पण से अधोलिखित अलंकार – अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति।	11
IV	**छन्द परिचय–**अनुष्टुप, आर्या ,वंशस्थ, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, मालिनी, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, स्रग्धरा, शार्दूलविक्रीडित। (वृत्तरत्नाकर से)	12
	PartII	
V	निबन्ध	12
VI	पत्र व्यवहार	11
VII	सम सामयिक विषयों पर अनुच्छेद लेखन, विज्ञापन अथवा समाचार लेखन	11
VIII	अपठित गद्यांश एवं पद्यांश पर आधारित प्रश्नोत्तर	11

Suggested Readings:

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास – बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी।
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशंकर ऋषि, चौ0 भारती अकादमी, वाराणसी।
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास – वाचस्पति गैरोला,चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी।
4.साहित्य दर्पण – शालिग्राम शास्त्री – मोतीलाल बनारसीदास वाराणसी,
5. साहित्य दर्पण – राजकिशोर सिंह – प्रकाशन केन्द्र लखनऊ।
6. साहित्य दर्पण – सत्यव्रत सिंह – चौ0 विद्याभवन, वाराणसी।
7.वृत्त रत्नाकर – श्री केदार भट्ट, बलदेव उपाध्याय – चौ0 सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

8.छन्दोऽलंकार सौरभम् – प्रो0 राजेन्द्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन।
9. अनुवाद चन्द्रिका – चन्द्रधर हंस नौटियाल – मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
10.रचनानुवाद कौमुदी – कपिलदेव द्विवेदी – वि0वि0 प्रकाशन, वाराणसी।
11.संस्कृत निबन्धावली – रामजी उपाध्याय – चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी।
12.संस्कृत साहित्य का वृहद् इतिहास (काव्यशास्त्र खण्ड) – बलदेव उपाध्याय – उ0प्र0 संस्कृत संस्थान, लखनऊ।
13. संस्कृत निबन्धशतकम् – कपिलदेव द्विवेदी – वि0वि0 प्रकाशन, वाराणसी।

Suggested Continuous Evaluation Methods (Max. Marks: 25)

S.No.	Assessment Type	Max. Marks
1-	पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों पर आधारित अधिन्यास अथवा परियोजना कार्य (विभाग द्वारा निर्धारित)	15
2-	लिखित परीक्षा (बहुविकल्पीय/लघु उत्तरीय) अथवा मौखिक परीक्षा अथव प्रस्तुतीकरण (विभाग द्वारा निर्धारित)	10

B.A. (SEMESTER-V) PAPER-I
Title:वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय दर्शन

Programme :BACHELOR IN FACULTY **Class:B.A.**	**Year: Third**	**Semester: V**
Subject: Sanskrit		
Course Code: A020501T	**Course Title: Bachelor in Faculty**	
Credits: 6	**Core**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks: 33**	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 6-0-0		

Unit	Topics	No. of Lectures
	Part I	
I	**वैदिक वाङ्मय कासामान्य परिचय–**संहिता,ब्राह्मण,आरण्यक,उपनिषद एवंवेदांग।	09
II	**ऋग्वेदसंहिता**–अग्निसूक्त 1.1, विष्णुसूक्त 1.154, पुरुष सूक्त 10.90, हिरण्यगर्भसूक्त 10.121, वाक्सूक्त 10.125	09
III	**यजुर्वेदसंहिता–**शिवसंकल्पसूक्त, **अथर्ववेदसंहिता–**पृथ्वीसूक्त 12.1,राष्ट्राभिवर्धनम् सूक्त 1.29	09
IV	**ईशावास्योपनिषद्** (व्याख्या एवंसमीक्षात्मक प्रश्न)	09
	PartII	
V	भारतीय दर्शनकासामान्य परिचय–दर्शनकाअर्थ,एवंमहत्त्व नास्तिकदर्शन–चार्वाक,जैन,बौद्ध। आस्तिकदर्शन–न्याय,वैशेषिक,सांख्य,योग,मीमांसा,वेदान्त। (परिचयात्मक प्रश्न)	09
VI	श्रीमद्भगवद्गीता द्वितीय अध्याय (व्याख्या एवंसमीक्षात्मक प्रश्न)	10
VII	तर्कसंग्रह–आरम्भसेप्रत्यक्ष खण्डपर्यन्त	10
VIII	तर्कसंग्रह–अनुमानसेसमाप्तिपर्यन्त	10

Suggested Readings:

1. भारतीय दर्शन–बलदेवउपाध्याय,चौखम्भाप्रकाशन,वाराणसी
2. भारतीय दर्शन–दत्त एवंचटर्जी,पुस्तकभण्डारपब्लिसिंगहाउस, पटना
3. तर्कसंग्रह–गीताबनर्जी, चौखम्भाविद्याभवनवाराणसी
4. तर्कसंग्रह–राजेश्वर शास्त्री मुसलगाँवकर,चौखम्भासंस्कृतसंस्थान,वाराणसी
5. वैदिकसाहित्य एवंसंस्कृति–बलदेवउपाध्याय,चौखम्भाप्रकाशन,वाराणसी
6. वैदिकसाहित्य औरसंस्कृतिकासमीक्षात्मकइतिहास–ओम् प्रकाशपाण्डेय,न्यू एज इंटरनेशनलपब्लिसर, दिल्ली।
7. संस्कृतसाहित्य कावृहद् इतिहास–(वेद खण्ड),प्रोब्रजबिहारीचौबे,उ0प्र0 संस्कृतसंस्थान,लखनᵃ
8.श्रीमदभगवद्गीता–हरिकृष्णदास गोयन्दका,गीताप्रेस।
9. श्रीमदभगवद्गीता(तत्त्वबोधिनी टीका)–डा0 शिवशंकर गुप्त–वि0वि0प्रकाशन वाराणसी।
10. भारतीय दर्शन, आलोचन एवंअनुशीलन–चन्द्रधर शर्मा–मोतीलालबनारसीदास।
11. ऋक्सूक्तसंग्रह–हरिदत्त शास्त्री–साहित्य भण्डारमेरठ।
12.सूक्त संकलन–उमेशचन्द्रपाण्डेय–प्राच्य भारतीप्रकाशनगोरखपुर।
13.वेदामृत मंजूषिका–डा0 प्रयागनारायण मिश्र,प्रकाशनकेन्द्रलखनᵃ ।

Suggested Continuous Evaluation Methods (Max. Marks: 25)

S.No.	Assessment Type	Max. Marks
1-	पाठ्यक्रममेंनिर्धारितविषयोंपरआधारितअधिन्यासअथवापरियोजनाकार्य(विभाग द्वारानिर्धारित)	15
2-	लिखितपरीक्षा (बहुविकल्पीय/लघु उत्तरीय)अथवामौखिकपरीक्षाअथवाप्रस्तुतीकरण (विभाग द्वारानिर्धारित)	10

B.A. (SEMESTER-V) PAPER-II
Title:व्याकरण एवं भाषा विज्ञान

Programme :BACHELOR IN FACULTY **Class:B.A.**	**Year: Third**	**Semester: V**
Subject: Sanskrit		
Course Code: A020502T	**Course Title: Bachelor in Faculty**	
Credits: 6	**Core**	
Max. Marks: 25+75	**Min. Passing Marks: 33**	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 6-0-0		

Unit	Topics	No. of Lectures
I	**रूप सिद्धि–हलन्त प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी से)** **पुल्लिंग**–इदम्,राजन्,तद्,अस्मद्,युष्मद्। **स्त्रीलिंग**–किम् तद् इदम्। **नपुंसकलिंग**–इदम्,तद्,किम्।	15
II	**धातुरूप सिद्धि (लघुसिद्धान्तकौमुदी से)** भू, गम्, पठ् कृ, (सूत्र व्याख्या एवं रूप सिद्धि)	12
III	**स्त्री प्रत्यय (लघुसिद्धान्तकौमुदी से)**	13
IV	**कृदन्त प्रकरण(लघुसिद्धान्तकौमुदी से)**–तव्यत् , तव्य, अनीयर् , तुमुन्, क्त्वा, ल्यप्, क्त, क्तवतु , शतृ ,शानच् ण्वुल् ,तृच्।	15
V	**भाषा विज्ञान**–भाषा की परिभाषा एवं स्वरूप, भाषाविज्ञान के मुख्य अंग, बोली, भाषा, विभाषा।	10
VI	**भाषा विज्ञान**–भाषा का उद्भव एवं विकास, भाषा परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण।	10

Suggested Readings:

1. लघु सिद्धान्त कौमुदी–सुरेन्द्र देव स्नातक 'शास्त्री'–चौखम्भा प्रकाशन,वाराणसी
2. लघु सिद्धान्त कौमुदी–श्रीधरानन्द शास्त्री, चौखम्भा प्रकाशन,वाराणसी
3. लघु सिद्धान्त कौमुदी–मैमी व्याख्या–भीमसेन शास्त्री–(1से 6 भाग)मैमी प्रकाशन दिल्ली।
4. भाषा विज्ञान– कपिल देव द्विवेदी, वि0वि0 प्रकाशन,वाराणसी

5. भाषा विज्ञान की भूमिका–डा0 देवेन्द्र शर्मा, साहित्य भण्डार मेरठ।

6. संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन–डा0 भोलाशंकर व्यास।

Suggested Continuous Evaluation Methods (Max. Marks: 25)

S.No.	Assessment Type	Max. Marks
1-	पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों पर आाधारित अधिन्यास अथवा परियोजना कार्य (विभाग द्वारा निर्धारित)	15
2-	लिखित परीक्षा (बहुविकल्पीय/लघु उत्तरीय) अथवा मौखिक परीक्षा अथवा प्रस्तुतीकरण (विभाग द्वारा निर्धारित)	10

B.A. (SEMESTER-VI) PAPER-I
Title:आधुनिकसंस्कृतसाहित्य

Programme :BACHELOR IN FACULTY Class:B.A.	Year: Third	Semester: VI
Subject: Sanskrit		
Course Code: A020601T	Course Title: Bachelor in Faculty	
Credits: 6	Core	
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: 6-0-0		

Unit	Topics	No. of Lectures
I	**आधुनिकसंस्कृतसाहित्य के प्रमुख कवियोंकाव्यक्तित्व एवंकर्तृत्त्व–**रेवाप्रसाद द्विवेदी,राजेन्द्रमिश्र,राधावल्लभ त्रिपाठी, रहसबिहारी द्विवेदी, हरिदत्त शर्मा, वी, राघवन, पण्डिता क्षमाराव,श्रीधरभास्करवर्णेकर।	10
II	**आधुनिकमहाकाव्य–**उत्तरसीताचरितम्(सप्तम् सर्ग–विद्याधिगमः)प्रो0 रेवाप्रसाद द्विवेदी	10
III	**आधुनिककाव्य–**श्रम माहात्म्यम्(षोडशी)–श्रीधरभास्करवर्णेकर।	09
IV	**आधुनिकनाटक–**क्षत्रपति साम्राज्यम्(प्रथम अंक)–श्रीमूलशंकरमाणिकलाल 'याज्ञिक'	09
V	**संस्कृत उपन्यास–**पद्मिनी(1–2 विराम) मोहनलाल शर्मापाण्डेय	09
VI	**संस्कृतगीतिकाव्य–**तदेवगगनंसैव धरा(1–50 पद्य)आचार्य श्रीनिवासरथ	10
VII	**संस्कृतकथा–**कथा मुक्तावली(क्षणिक विभ्रमः)पण्डिता क्षमाराव	09
VIII	**संस्कृत सुभाषित–**दीपमालिका–पं0 वासुदेव द्विवेदी शास्त्री।	09

Suggested Readings:

1. कथामुक्तावली–पीजेपाण्ड्या–एन एम त्रिपाठीलिमिटेड,प्रिंसेसस्ट्रीट मुम्बई–2
2.उत्तरसीताचरितम्–प्रो0 रेवाप्रसाद द्विवेदी–कालिदाससंस्थानवाराणसी।
3.षोडशी–श्रीधरभास्करवर्णेकर।–साहित्य अकादमीदिल्ली।
4.क्षत्रपतिसाम्राज्यम्–श्रीमूलशंकरमाणिकलाल 'याज्ञिक'–चौ0 सुरभारतीवाराणसी।
5. तदेवगगनंसैव धरा–आचार्यश्रीनिवासरथ–नागपब्लिशर्सदिल्ली।

6. दीपमालिका–पं0 वासुदेव द्विवेदी शास्त्री–सार्वभौमसंस्कृतप्रचारसंस्थानम् वाराणसी।
7. पद्मिनी–मोहनलाल शर्मापाण्डेय–प्रकाशनकेन्द्रजयपुर।
8.संस्कृत वाङ्मय कावृहद् इतिहास(आधुनिकसंस्कृतसाहित्य काइतिहास–सप्तम खण्ड)–उ0प्र0संस्कृत संस्थान,लखनउ।
9.आधुनिकसंस्कृतसाहित्य सन्दर्भसूची–राधावल्लभ त्रिपाठी–केन्द्रीय संस्कृत वि0वि0 दिल्ली।

Suggested Continuous Evaluation Methods (Max. Marks: 25)

S.No.	Assessment Type	Max. Marks
1-	आधुनिकसंस्कृतपुस्तकसमीक्षा एवंमौखिकीअथवाआधुनिकसंस्कृतसाहित्य कासर्वेक्षण एवंमौखिकी (विभाग द्वारानिर्धारित)	15
2-	लिखितपरीक्षा (बहुविकल्पीय/लघु उत्तरीय)।	10

Programme/Class: Bachelor कार्यक्रम /वर्ग- **स्नातक डिग्री**	Year: Third वर्ष- **तृतीय**	Semester: **six** सेमेस्टर - **षष्ठ**
विषय- **संस्कृत**		
प्रश्न पत्र कोड-A020602T	प्रश्न पत्र शीर्षक- **द्वितीय प्रश्न पत्र (वैकल्पिक) - योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा**	

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- **भारतीय योग शास्त्र के प्राचीन एवं वैज्ञानिक ज्ञान से लाभान्वित होंगे।**
- **योग शास्त्र के मूलभूत सिद्धांतों को जानकर योग की महत्ता से परिचित होंगे।**
- **योग के वास्तविक स्वरूप के अवबोध द्वारा योग को जीवन में समाहित करने हेतु प्रेरित होंगे।**
- **योग के आसनों के सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक दोनों पक्षों को समान रूप से सीख सकेंगे।**
- **योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के अनुप्रयोग द्वारा स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकने में समर्थ होंगे**

Credits: **5**	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: **5-0-0**	

Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
I	**योग की भारतीय अवधारणा उपयोगिता एवं महत्व प्रमुख आचार्य एवं ग्रंथ**	10
II	**योगसूत्र- समाधि पाद (सूत्र 1 से 29 तक)**	10
III	**योगसूत्र - साधना पाद (सूत्र 29 से 55 तक)**	10
IV	**योगसूत्र- विभूति पाद (सूत्र 1 से 15 तक)**	9
V	**घेरण्ड संहिता- प्रथमोपदेश (श्लोक 1 से 32)**	9
VI	**घेरण्ड संहिता- प्रथमोपदेश (श्लोक 33 से 60)**	9
VII	**घेरण्ड संहिता - द्वितीयोपदेशः (आसनप्रकरणम्) सिद्धासन, पद्मासन,भद्रासन, मुक्तासन,वज्रासन,स्वस्तिकासन् , सिंहासन,गोमुखासन्**	9
VII	**घेरण्ड संहिता - द्वितीयोपदेशः (आसनप्रकरणम्) वीरासन,धनुरासन,मृतासन,मत्स्यासन, पश्चिमोत्तानासन, गरुड़ासन, मकरासन,भुजङ्गासन**	9

संस्तुत ग्रंथ-

- **पातंजलयोगदर्शनम् , पतंजलि कृत योगसूत्र, व्यास भाष्य , वाचस्पति मिश्र कृत तत्त्ववैशारदी एवं विज्ञान भिक्षु कृत योगवार्त्तिक सहित , (संपादक) नारायण मिश्र, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी ,1981**

- योग दर्शन , हरि कृष्णदास गोयन्दका, गीता प्रेस,गोरखपुर
- पातंजलयोगदर्शनम्, सुरेश चंद श्रीवास्तव, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी
- घेरंड संहिता, घेरण्ड मुनि, भाष्यकार स्वामी जी महाराज, पीतांबरा पीठ , दतिया, मध्य प्रदेश
- यज्ञ चिकित्सा, ब्रह्मवर्चस, शांतिकुंज, हरिद्वार
- योग तथा मानसिक स्वास्थ्य, पी.डी. मिश्र, रॉयल बुक कंपनी, लखनऊ
- योग एवं स्वास्थ्य, पी. डी. मिश्र, रैपिडेक्स बुक्स, पुस्तक महल
- सूर्य किरण चिकित्सा विज्ञान, अमर जीत, खंडेलवाल प्रकाशन, जयपुर
- नेचर क्योर फिलासफी एंड मेथड्स, पी.डी. मिश्र, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

.....

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन-

(क) योगासनों का प्रदर्शन **15 अंक**

अथवा

अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ लघु उत्तरीय) **10 अंक**

Course prerequisites:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) .....

Suggested equivalent online courses:

.....

Further Suggestions:

.....

अथवा

Programme/Class: Bachelor कार्यक्रम /वर्ग- **स्नातक डिग्री**	Year: Third वर्ष- **तृतीय**	Semester: **Six** सेमेस्टर - **षष्ठ**
विषय- **संस्कृत**		

प्रश्न पत्र कोड-A0206003T	प्रश्न पत्र शीर्षक-**तृतीय प्रश्नपत्र (वैकल्पिक) - आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य विज्ञान**

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- **भारतीय प्राच्य ज्ञान की अद्भुत देन आयुर्वेद का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे।**
- **मानव स्वास्थ्य एवं रोग निवारण हेतु आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धांतों से सुपरिचित होंगे।**
- **वर्तमान समय में आयुर्वेद की आवश्यकता एवं महत्व से अवगत होते हुए मानव कल्याणार्थ अनुप्रयोग हेतु प्रेरित होंगे।**
- **अष्टांग आयुर्वेद के ज्ञान द्वारा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने हेतु अग्रसर होंगे।**

Credits: **5**	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: **5-0-0**

Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
I	**आयुर्वेद का सामान्य परिचय, उद्भव एवं विकास प्रमुख आचार्य - चरक, सुश्रुत,वाग्भट, माधव , शार्ङ्गधर,भावमिश्र**	10
II	**आयुर्वेद का अर्थ एवं परिभाषा, मूलभूत सिद्धांत, वर्तमान काल में उपयोगिता एवं महत्व, अष्टांग आयुर्वेद**	11
III	**चरक संहिता - सूत्र स्थान प्रथम अध्याय (श्लोक 41 से 92)**	9
IV	**चरक संहिता - सूत्र स्थान प्रथम अध्याय (श्लोक 93 से समाप्ति पर्यंत)**	9

V	चरक संहिता - सूत्र स्थान नवम अध्याय	9
VI	चरक संहिता - सूत्र स्थान दशम अध्याय	9
VII	अष्टांगहृदयम् - वाग्भट सूत्रस्थानम्- प्रथम अध्याय 1-19	9
VIII	अष्टांगहृदयम् - वाग्भट सूत्रस्थानम्- प्रथम अध्याय 20- 44	9

संस्तुत ग्रंथ-

- चरक संहिता, (सम्पा०) ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी,2005
- अष्टांगहृदयम् ,वाग्भट, (सम्पा०) ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखंबा संस्कृत प्रतिष्ठान दिल्ली, पुनर्मुद्रित 2014
- आयुर्वेद का बृहद् इतिहास, अत्रिदेव विद्यालंकार, हिंदी समिति, उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ , द्वितीय संस्करण 1976
- संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, बलदेव उपाध्याय , आयुर्वेद का इतिहास (सप्तदश खंड), उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ 2006
- आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास, आचार्य प्रियव्रत शर्मा, चौखंबा वाराणसी
- आयुर्वेद इतिहास एवं परिचय, विद्याधर शुक्ल एवं रवि दत्त त्रिपाठी, चौखंबा, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य में आयुर्वेद, अत्रिदेव विद्यालंकार, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी प्रथम संस्करण, 1956

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

.....

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन-

(क) अधिनियम (असाइनमेंट) / पत्र प्रस्तुतीकरण एवं मौखिकी **15 अंक**

अथवा

प्रदत्त समस्या का निदान आदि (प्रायोगिक)

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ लघु उत्तरीय) **10 अंक**

Course prerequisites: **सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)** .....
Suggested equivalent online courses: .....
Further Suggestions: .....

अथवा

Programme/Class: Bachelor कार्यक्रम /वर्ग- **स्नातक डिग्री**	Year: Third वर्ष- **तृतीय**	Semester: **Six** सेमेस्टर - **षष्ठ**
विषय- **संस्कृत**		
प्रश्न पत्र कोड-A020604T	प्रश्न पत्र शीर्षक- **चतुर्थ प्रश्नपत्र (वैकल्पिक)- भारतीय वास्तुशास्त्र**	

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- **भारतीय वास्तु शास्त्र का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे।**
- **भारतीय प्राचीन ज्ञान धरोहर को जानने समझने की जिज्ञासा उत्पन्न होगी।**
- **वास्तु शास्त्र के महत्व एवं वर्तमान उपयोगिता से परिचित होंगे।**
- **वास्तुशास्त्र के मूलभूत सिद्धांतों के ज्ञान द्वारा उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।**

Credits: **5**	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: **5-0-0**

Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
I	**वास्तु शास्त्र का सामान्य परिचय**	10

	महत्व एवं वर्तमान प्रासंगिकता	
II	वास्तुसौख्यम् (टोडरमल्ल विरचित) वास्तुसौख्यम् - प्रथम भाग वास्तु प्रयोजन, वास्तु स्वरूप (श्लोक 4 से 13) वास्तु सौख्यम्- द्वितीय भाग भूमि परीक्षण, दिक्साधन, निवासहेतुस्थान निर्वाचन (श्लोक 14 से 22) वास्तु सौख्यम्- तृतीय भाग गृहपर्यावरण, वृक्षारोपण,शल्यशोधन (श्लोक 31-49, 74-82)	10
III	वास्तु सौख्यम्- चतुर्थ भाग षड्वर्ग परिशोधन, वास्तुचक्र, ग्रहवास्तु, शिलान्यास (श्लोक 83-102 , 107-112) वास्तु सौख्यम्- षष्ठ भाग पञ्चविधगृह, शालालिन्दप्रमाण, वीथिका प्रमाण (श्लोक 171-194, 195-196) वास्तु सौख्यम्- सप्तम भाग द्वार प्रमाण, स्तम्भ प्रमाण, पञ्च चतुःशाला गृह-सर्वतोभद्र,नन्द्यावर्त, वर्धमान, स्वस्तिक, रुचक (श्लोक 203-217)	10
IV	वास्तु सौख्यम्- अष्टम भाग एकाशीतिपदवास्तुचक्र, मर्मस्थान (श्लोक 287-302, 305-307) वास्तु सौख्यम्- नवम भाग वासदिशानिरुपण, द्वारफल, द्वारवेधफल (श्लोक 322-335, 359-369)	9

V	मुहूर्तचिन्तामणि ,वास्तु प्रकरण, श्लोक 01 से 14	9
VI	मुहूर्तचिन्तामणि, वास्तु प्रकरण श्लोक 15 से 29	9
VII	मुहूर्तचिन्तामणि,गृहप्रवेशप्रकरण	9
VIII	भारतीय वास्तु शास्त्र तथा आधुनिक वास्तुविज्ञान की तुलनात्मक समीक्षा	9

संस्तुत ग्रंथ-

- वास्तु सौख्यम्, टोडरमल्ल, (सम्पा०) कमलाकांत शुक्ल , शिक्षण शोध प्रकाशन संस्थान , वाराणसी, 1996
- मुहूर्तचिन्तामणि, श्रीराम,पीयूषधारा टीका सहित,मोतीलाल बनारसी दास,दिल्ली
- मुहूर्तचिन्तामणि, श्रीराम,श्रीदुर्गा पुस्तकभण्डार,प्रयागराज
- भारतीय वास्तु शास्त्र, शुकदेव चतुर्वेदी, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
- वास्तुप्रबोधिनी, विनोद शास्त्री और सीताराम शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- बृहद् वास्तुमाला, राम मनोहर द्विवेदी और ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी, 2012
- वास्तुसार, देवीप्रसाद त्रिपाठी, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, 2015

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

.....

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन- **(क) पिण्डशोधन, भवन निर्माण की आंतरिक संरचना (प्रायोगिक) 15 अंक** **अथवा** **अधिन्यास (असाइनमेंट)/ पत्रप्रस्तुतीकरण एवं मौखिकी** **(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ लघु उत्तरीय) 10 अंक**
Course prerequisites: **सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)** .....
Suggested equivalent online courses: .....
Further Suggestions: .....

अथवा

Programme/Class: **Bachelor** कार्यक्रम /वर्ग- **स्नातक डिग्री**	Year: Third वर्ष- **तृतीय**	Semester: **VI** सेमेस्टर - **षष्ठ**
विषय- **संस्कृत**		
प्रश्न पत्र कोड-A020605T	प्रश्न पत्र शीर्षक- **पंचम प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)- ज्योतिष शास्त्र के मूलभूत सिद्धांत**	
Course outcomes: अधिगम उपलब्धि- • **भारतीय प्राच्य ज्ञान के प्रति अभिरुचि उत्पन्न होगी।** • **भारतीय ज्योतिष शास्त्र का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।** • **ज्योतिष के विभिन्न सिद्धांतों के ज्ञान के माध्यम से विश्लेषण क्षमता जागृत होगी।** • **पंचांग अवलोकन एवं निर्माण कौशल का विकास होगा**		
Credits: **5**	**Core Compulsory**	

Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: **5-0-0**.

Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
I	**ज्योतिष शास्त्र का सामान्य परिचय, उद्भव एवं विकास** **त्रिस्कंध ज्योतिष-सिद्धांत, संहिता, होरा**	9
II	**ज्योतिष चंद्रिका- संज्ञा प्रकरण** **श्लोक 1 से 40**	10
III	**ज्योतिष चंद्रिका- संज्ञा प्रकरण** **श्लोक 41 से 80**	10
IV	**ज्योतिष चंद्रिका- संज्ञा प्रकरण** **श्लोक 81 से 115**	10
V	**शीघ्रबोध -प्रथमप्रकरण**	9
VI	**शीघ्रबोध - द्वितीय प्रकरण**	9
VII	**शीघ्रबोध -तृतीय प्रकरण**	9
VIII	**शीघ्रबोध - चतुर्थ प्रकरण**	9

संस्तुत ग्रंथ-

- **ज्योतिष चंद्रिका, रेवती रमण शर्मा, (संपा) कान्ता भाटिया, भारतीय बुक कॉरपोरेशन, दिल्ली**
- **शीघ्रबोध,काशीनाथ, सम्पा. खूबचन्दशर्मा गौड़,नवलकिशोर बुकडिपो,लखनऊ**
- **शीघ्रबोध ,काशीनाथ, सम्पा. प्रो.बृजेशकुमार शुक्ल,रायल बुक डिपो,लखनऊ**

• ज्योतिर्विज्ञानसन्दर्भसमालोचनिका, प्रो.बृजेशकुमार शुक्ल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली • बृहत् संहिता, अच्युतानंद झा (अनु०), चौखंबा विद्याभवन , वाराणसी • बृहत् संहिता, राधाकृष्णन भट्ट (अनु०), मोतीलाल बनारसीदास वॉल्यूम 1 और 2, दिल्ली • भारतीय ज्योतिष,शंकर बालकृष्ण दीक्षित शिवनाथ झारखंडी (अनु०) हिंदी समिति, उत्तर प्रदेश • भारतीय ज्योतिष, नेमीचंद शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली • ब्रह्मांड एवं सौर परिवार , त्रिपाठी देवी प्रसाद , दिल्ली • भुवन कोश, त्रिपाठी देवी प्रसाद, दिल्ली
This course can be opted as an elective by the students of following subjects: **सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)** .....
प्रस्तावित सतत मूल्यांकन- **(क) अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी — 15 अंक** **अथवा** **पंचागावलोकन परीक्षा** **(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ लघु उत्तरीय) — 10 अंक**
Course prerequisites: **सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)** .....
Suggested equivalent online courses: .....
Further Suggestions: .....

अथवा

Programme/Class: **Bachelor** कार्यक्रम /वर्ग- **स्नातक डिग्री**	Year: **Third** वर्ष- **तृतीय**	Semester: **VI** सेमेस्टर - **षष्ठ**
विषय- **संस्कृत**		
प्रश्न पत्र कोड-A020606T	प्रश्न पत्र शीर्षक- **षष्ठ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक) - नित्य नैमित्तिक अनुष्ठान**	

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- **विद्यार्थी भारतीय पारंपरिक कर्मकांड एवं सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित होंगे ।**
- **नित्य नैमित्तिक अनुष्ठान विधि को जानकर जीवन को नियमबद्ध एवं आचरणशील बनाने में समर्थ होंगे।**
- **भारतीय कर्मकांड के प्रामाणिक शास्त्रीय रूप से परिचित होकर उसकी व्यवहारिक उपयोगिता जानने योग्य बनेंगे।**
- **सामान्य अनुष्ठान संपन्न कराने योग्य कुशल और पौरोहित्य कर्म विशारद बनेंगे ।**
- **आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने में सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनेंगे।r**

Credits: **5**	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks:
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P: **5-0-0.**	

Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
I	**नित्य विधि(प्रातरुत्थान, स्नान, संध्या, तर्पण तथा पंचयज्ञ)**	10
II	**स्वस्तिवाचन, संकल्प ,गौरी -गणेश- पूजन तथा वरुणकलश - स्थापन**	10
III	**षोडशोपचार पूजन, कुशकंडिका- विधि ,मंडप- कुंड- निर्माण तथा होम विधि**	10
IV	**रुद्राभिषेक ,महामृत्युंजय जप तथा नवचंडी विधान**	9
V	**नवग्रह शांति ,मूलगण्डान्तशान्ति, दुःस्वप्नशान्ति तथा वैधव्योपशांति**	9
VI	**प्राग्जन्म तथा जातकर्म संस्कार, अन्नप्राशन तथा चौल कर्म**	9

VII	**यज्ञोपवीत तथा विवाह संस्कार**	9
VIII	**गृहारंभ तथा गृह प्रवेश**	9

संस्तुत ग्रंथ-

- **पारस्करगृहयसूत्र संपा. सुधाकर मालवीय, चौखंबा संस्कृत संस्थान, वाराणसी**
- **कर्म कौमुदी, डॉ बृजेश कुमार शुक्ल, नाग प्रकाशक, दिल्ली 2001**
- **कर्मठगुरु, मुकुंद बल्लभ मिश्र, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 2001**
- **आपस्तम्बीयकर्म मीमांसा, प्रयाग नारायण मिश्र, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली**
- **हिंदू संस्कार, राजबली पांडे चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी 1995**
- **धर्म शास्त्र का इतिहास, प्रथम भाग ,अर्जुन चौबे ,उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ**
- **संस्कार प्रकाश, भवानी शंकर त्रिवेदी, लाल बहादुर शास्त्री केंद्रीय संस्कृत विद्यापीठ, दिल्ली**
- **पौरोहित्यकर्म प्रशिक्षक, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ**
- **नित्यकर्म पूजा प्रकाश, गीता प्रेस गोरखपुर**
- **धर्म शास्त्र का इतिहास, पांडुरंग वामन काणे, (अनु०) अर्जुन चौबे कश्यप, प्रथम भाग,उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान लखनऊ , 1973**

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन-

(क) अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिकी (मंत्रोच्चार परीक्षा) 15 अंक

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/ लघु उत्तरीय) 10 अंक

Course prerequisites:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

.....

Suggested equivalent online courses:

.....